2024

HINDI

(Honours Elective)

Paper : HIN–HE–6016

(छायावादी काव्यधारा)

Full Marks : 80

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×10=10

   (क) 'छायावाद' शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग किसने किया था?

   (ख) छायावाद के किसी एक प्रतिनिधि काव्य-ग्रंथ का नामोल्लेख कीजिए।

   (ग) 'अरुण यह मधुमय देश हमारा' —इस गीत को 'चंद्रगुप्त' नाटक के किस पात्र ने गाया है?

   (घ) "रेत ज्यों तन रह गया है।" यहाँ 'रेत' शब्द का क्या अर्थ है?

   (ङ) 'जूही की कली' शीर्षक कविता में नायक के रूप में किसको चित्रित किया गया है?

   (च) 'मौन-निमंत्रण' कविता के कवि कौन हैं?

(छ) 'युगान्त' का प्रकाशन-वर्ष क्या है?

(ज) महादेवी वर्मा को किस काव्य-संकलन के लिए ज्ञानपीठ पुरस्कार प्रदान किया गया था?

(झ) 'चुभते ही तेरा अरुण वाण' —यहाँ 'अरुण वाण' किसे कहा गया है?

(ञ) 'प्रभाती' कब गाया जाता है?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 2×5=10

(क) 'छायावाद के चार आलोक स्तम्भ' से आपका क्या तात्पर्य है?

(ख) "धीरे से वह उठता पुकार,
मुझको न मिला रे कभी प्यार।"
—उक्त पंक्तियाँ किस कवि की हैं और ये किस कविता से उद्धृत हैं?

(ग) निराला की किन्हीं दो प्रमुख काव्य-कृतियों का नामोल्लेख कीजिए।

(घ) पंत को वर्ष 1961 में दो पुरस्कारों से सम्मानित किया गया था। वे दो पुरस्कार कौन-कौन से थे? नामोल्लेख कीजिए।

(ङ) महादेवी वर्मा कविता में प्रतीक कहाँ से चुनती हैं?

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 5×4=20

(क) प्रसाद की भाषा-शैली पर एक टिप्पणी लिखिए।

(ख) 'ले चल वहाँ भुलावा देकर' शीर्षक कविता का भावार्थ लिखिए।

(ग) "सुमित्रानंदन पंत प्रकृति-चित्रण के अन्यतम कवि हैं।" इस कथन के समर्थन में अपने विचार व्यक्त कीजिए।

(घ) पठित कविता के आधार पर वसन्तरजनी के रूप-सौन्दर्य का वर्णन कीजिए।

(ङ) कवि ने भारतमाता को ग्रामवासिनी क्यों कहा है? स्पष्ट कीजिए।

(च) 'द्रुत झरो' कविता के उद्देश्य को स्पष्ट कीजिए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के सम्यक् उत्तर दीजिए : 10×4=40

(क) छायावादी काव्यधारा के उद्‌भव एवं विकास पर एक लेख प्रस्तुत कीजिए।

अथवा

छायावादी काव्य-प्रवृत्तियों पर विचार कीजिए।

(ख) 'छायावादी काव्यधारा को महाप्राण निराला की देन' विषय पर अपना विवेचन प्रस्तुत कीजिए।

अथवा

कथ्य की दृष्टि से 'स्नेह निर्झर' कविता की समीक्षा कीजिए।

(ग) सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

युग कर्म शब्द, युग रूप शब्द, युग सत्य शब्द,
शब्दित कर भावी के सहस्र शत मूक अब्द,
ज्योतित कर जन-मन के जीवन अंधकार,
तुम खोल सको मानव उर के निःशब्द द्वार।

अथवा

'मौन निमंत्रण' कविता के अनुभूति-पक्ष पर विचार कीजिए।

(घ) कवयित्री महादेवी वर्मा के प्रमुख काव्य-स्वरों को रेखांकित कीजिए।

अथवा

'मधुर था वह जीवन' कविता के माध्यम से कवयित्री महादेवी वर्मा ने जीवन को कैसा बनाने का सुझाव दिया है? सविस्तार विवेचन कीजिए।

★★★